

মধুর বাঁশিতে মধুর হাসিতে কে সে গো মন যে জিনিল মোর ।  
না ডাকিলে আসে, ডাকিলে না আসে এ কী রূপময় প্রীতির ডোর ॥

অপূর্ব তার চোখের চাহনি, অপূর্ব মধুর আনন খানি ।  
অপূর্ব বিশ্ব ভরা লাবণী উত্তাল করে জ্যোতি সাগর ॥

শত লাজুনা সহিতে যে পারি, অমল কমল সে চরণ ধরি ।  
তাহার লাগিয়া মরিতে না ডরি, তার বেদী যে সবার উপর ॥

(কলিকাতা, ১৫ই আগষ্ট, ১৯৮৩)

তাল : দাদরা

|     | ১'       | ০          | ১' | /         | ০         |    |
|-----|----------|------------|----|-----------|-----------|----|
| II  | পা -া -া | পা -া -া   | I  | পা ধা পা  | মা গরা গা | I  |
|     | ম ধু র   | বাঁ শি তে  |    | ম ধু র    | হা সি০ তে |    |
| I{  | গা পা মা | গা রা গা   | I  | সা রা মা  | গা -া -া  | }I |
|     | কে সে গো | ম ন যে     |    | জি নি ল   | মো ০ র    |    |
| I   | পা -া -া | পা -া -া   | I  | পা ধা পা  | মা গরা গা | I  |
|     | না ডা কি | লে আ সে    |    | ডা কি লে  | না আ০ সে  |    |
| I   | সা রা -া | রা -া গা   | I  | রা পা মা  | গা -া -া  | I  |
|     | এ কী রু  | প ম য      |    | প্রী তি র | ডো ০ র    |    |
| I   | সা রা -া | রা -া গা   | I  | রা পা মা  | গা -া -া  | II |
|     | কে সে গো | ম ন যে     |    | জি নি ল   | মো ০ র    |    |
| II{ | সা -া -া | সা ন্ধা না | I  | সা রা -া  | রা খা রা  | I  |
|     | অ পু ০   | বঁ তা০ র   |    | চো থে র   | চা হ নি   |    |
| I   | না -া সা | রা গা -া   | I  | রা পা -া  | মা গা -া  | }I |
|     | অ পু ০   | বঁ ম ধু    |    | র আ ন     | ন খা নি   |    |
| I   | পা -া -া | পা -া -া   | I  | পা ধা পা  | মা গা -া  | I  |
|     | অ পু ০   | বঁ বি ০    |    | ষ ভ রা    | লা ব গী   |    |

I সা রা -া | রা -া গা I রা পা মা | সা -া -া II  
 উ ০ ভা ল ক রে জ্যো তি সা গ ০ র

কে সে ..... মোর ॥

II{ সা -া -া | সা ন্ধা না I সা রা -া | রা ঞ্জা রা I  
 শ ত লা ০ জ্ঞ না স হি তে যে পা রি

I না -া সা | রা গা -া I রা পা -া | মা গা -া I  
 অ ম ল ক ম ল সে চ র গ ধ রি

I পা -া -া | পা পক্ষা পা I পা ধা পা | মা গরা গা I  
 তা হা র লা গি০ যা ম রি তে না ড০ রি

I সা রা -া | রা -া গা I রা পা মা | গা -া -া II II  
 তা র বে দী যে স বা র উ প ০ র

কে সে ..... মোর ॥